

---

# Amba navamanimala or Arya navakam

अम्बा नवमणिमाला अथवा आर्या नवकम्

## Document Information

---

Text title : ambAnavamaNimAlA athavA AryAnavakam

File name : ambAnavamaNimAlA.itx

Category : mAlAmantra, devii, pArvatI, kAlidAsa, devI, nava

Location : doc\_devii

Author : attributed to Kalidas

Transliterated by : Maniam Varagoor maniamvaragoor at yahoo.com

Proofread by : corrected by Sunder Hattangadi NA, PR Ramamurthy

Latest update : June 10, 2006, September 20, 2014

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

September 14, 2022

*sanskritdocuments.org*

---

---

## Amba navamanimala or Arya navakam

---

### अम्बा नवमणिमाला अथवा आर्या नवकम्

---




वाणीं जितशुकवाणीमलिकुलवेणीं भवाम्बुधिद्रोणीम् ।  
वीणाशुकशिशुपाणीं नतगीर्वाणीं नमामि शर्वाणीम् ॥ १ ॥  
कुवलयदलनीलाङ्गीं कुवलयरक्षैकदीक्षितापाङ्गीम् ।  
लोचनविजितकुरङ्गीं मातङ्गीं नौमि शङ्करार्थाङ्गीम् ॥ २ ॥  
कमलाकमलजकान्ताकरसारसदत्तकान्तकरकमलाम् ।  
करयुगलविधृतकमलां विमलां कमलाङ्गुलसकलकलाम् ॥ ३ ॥  
सुन्दरछिमकरवदनां कुन्दसुरदनां मुकुन्दनिधिसदनाम् ।  
करुणोज्ज्वलितमदनां सुरकुशलायाऽसुरेषुकृतकदनाम् ॥ ४ ॥  
अरुणाधरजितभिम्बां जगदम्बां गमनविजितकादम्बाम् ।  
पालितसुजनकदम्बां पृथुलनितम्बां भजे सखेरम्बाम् ॥ ५ ॥  
शरणागतजनभरणां करुणावरुणालयां नवावरुणाम् ।  
मणिमयदिव्याभरणां यरुणाम्भोजतसेवकोद्धरुणाम् ॥ ६ ॥  
तुङ्गस्तनजितकुम्भां कृतपरिरम्भांशिवेन गुह्यिम्बाम् ।  
दारितशुम्भनिशुम्भां नर्तितरम्भां पुरो विगतदम्बाम् ॥ ७ ॥  
नतजनरक्षादीक्षां प्रत्यक्षदैवताध्यक्षाम् ।  
वाडीकृतलक्ष्यां क्षपितविपक्षां सुरेषुकृतरक्षाम् ॥ ८ ॥  
धन्यां सुरवरमान्यां छिमिगिरिकन्यां त्रिलोकमूर्धन्याम् ।  
विहृतसुरद्रुमवन्त्यां वेन्नि विन्ना त्वां न देवतास्वन्त्याम् ॥ ९ ॥  
येतां नवमणिमालां पठन्ति भक्त्येव ये पराशक्त्याः ।  
तेषां वदने सद्ने नृत्यति वाणी रमा य परममुदा ॥ १० ॥  
पातय वा पाताले स्थापय वा सकलभुवनसाम्राज्ये ।  
मातस्तव पद्युगलं नाहं मुञ्चामि नैव मुञ्चामि ॥ ११ ॥


एति अम्बा नवमणिमाला समाप्ता ।  
नवरत्नमालिका  
आर्या नवकम्

Encoded by Maniam Varagoor

and corrected by Sunder Hattangadi, NA, PR Ramamurthy, PSA Easwaran

---

——  
*Amba navamanimala or Arya navakam*  
pdf was typeset on September 14, 2022

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

